Sl. No.	Year	Subject	Status Position
			Outcome of the verification is awaited. STC had exported rice from Madras to Bangladesh valued at Rs. 36 crores approximately. However, the amount involved will be known after the final view is taken by CVC on the alleged irregularities.
	1996-97	Export of Plastic garbage bags to M/s. International leather Co. Dubai.	STC has referred the matter to CBI on 8.11.1996 for looking into any criminal liability of the concerned officials of STC. While the value of duty free import of plastic material to be availed of by the Indian party is Rs. 2.4 crores, the actual amount of loss will be determined after the availability of the investigation report.
	1996-97	Alleged FERA voilation by STC and ZEE TV	STC has referred the matter to CBI on 5.12.1996 to pin-point the criminal liability or otherwise of the concerned STC officials. The total amount of approximately Rs.30.49 lakhs has been paid to Zee TV. The actual amount of loss arising out of criminar liability, if any, will be known after the inquiry is completed by CBI.
7.	1996-97	Import of sugar by STC through M/s. Andre & CIE, Switzerland.	Director, CBI has recommended registration of a regular case vide letter dt. 17.2.1997 and has sought concurrence of the Ministry of Commerce which is under process. As per CBI report, the accused persons in the deal have alledgely caused undue pecuniary loss to STC/Government Exchequer to the extent of US$ 704612.70 as breach of contract and corresponding undue pecuniary gain to themselves and the private parties in the deal.

अखबारी कागज उद्योग में संकट

208. **श्री राम जेठमलानी** : क्या उद्योग मंत्री था इतने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में बहुत बड़ी मात्रा में अखबारी कागज आयात कर लिए जाने से अखबारी कागज उद्योग को संकट का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या इसके परिणामस्वरूप अनेक अखबारी कागज उत्पादक इकाइयां बदं होने की स्थिति मे आ रही है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या है,

(घ) क्या सरकार ने अखबारी कागज के आयात के परिणामस्वरूप बहुत बड़ी मात्रा में इसका अम्बार लग जाने के मामले की जांच की है, और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) से (ग) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अखबारी कागज के घटते दामों और उसके परिणामस्वरूप आयातित अखबारी कागज के अधिकारिक न्यूनतर दामों पर उपलब्ध होने से स्वेदशी अखबारी कागज विनिर्माता उद्योग को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है । इसके परिणामस्वरूप, कई अखबारी कागज विनिर्माता मिलो, नामतः मैं. "नेपा" लि0 मैं. औरंगाबाद पेपर मिल्स लि0 और मै0 रामा न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लि. ने अपना उत्पादन बद कर दिया है और कुछ एककों, नामतः मैं0 हिन्दुस्तान न्यूजप्रिट लि0, मैं0 तमिलनाडु न्यूजप्रिट एंड पेपर्स लि0 ने या तो अपना उत्पादन कम कर दिया है अथवा कागज की अन्य किस्मों के उत्पादन को अपना लिया है।

(घ) और (ङ) वाणिज्य मंत्रालय में नामित प्राधिकरण ने भारतीय अखबारी कागज विनिर्माता संघ द्वारा दायर एक याचिका के आधार पर 20.12.96 को संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा और रूस से अखबारी कागज के आयात के विरूद्ध एंडी डम्पिंग जांच शुरू कर दी है। सीमा-शुल्क अधिनियम और इसके तहत बनाये गये नियमों के अंतर्गत यह प्राधिकरण कोई सिफारिश करने से पहले सभी संबंद्ध पार्टियों द्वारा किये गये अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए एक अर्द्ध-न्यायिक प्रक्रिया अपनाता है । अखबारी कागज के मामले में जांच प्रगति पर है और कोई भी अंनतिम अथवा अंतिम निष्कर्ष अभी तक घोषित नहीं किये गये हैं ।

खाद्यान्न की खरीदी गयी मात्रा

*209. **श्री रामजीलाल :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 1994-95 , 1995-96 और चालू वर्ष में अब तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए खाद्यान्नों की कितनी-कितनी मात्रा में खरीद की गयी,

(ख) क्या उपरोक्त मात्रा पिछले वर्षो के दौरान खरीदी गयी मात्रा की तुलना में कम थी, और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सावर्जनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव) : (क) और (ख) विपणन मौसम 1993-94 से सार्वजिनक, वितरण प्रणाली और अन्य सरकारी योजनाओं के लिए खरीदे गए चावल और गेहूं की मात्रा बताने वाला विवरण संलग्र है (**नीचे देखिए**)।

(ग) विपणन मौसम 1996-97 के दौरान केन्द्रीय पूल के लिए चावल की वसूली में संतोषजनक प्रगति हो रही है और 4.3.1997 को स्थिति के अनुसार यह वसूली वर्ष की इसी तारीख को 77.05 लाख टन की वसूली हुई थी । 1996-97 में यह वसूली बढ़कर 115 लाख टन होने की संभावना है जबकि पिछले वर्ष केवल 99.49 लाख टन की वसूली हुई थी ।

रबी विपणन मौसम 1996-97 में 81.82 लाख टन गेहूं की वसूली हुई है । जबकि पिछले वर्ष में 123.27 लाख टन गेहूं की वसूली हुई थी । यह गिरावट मुख्य रूप से पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 31 लाख टन कम उत्पादन होने और प्राइवेट व्यापारियां द्वारा अधिक खरीददारी करने के कारण हुई हैं।